नईदुनिया

# इस साल एफएमसीजी कंपनियों को राहत दे सकता है अच्छा मानसून

नई दिल्ली

देश के मौसम विभाग ने इस साल मॉनसून के दौरान भारी वर्षा के आगंतुकीय संकेत दिए हैं, जो कंपनियों को राहत दे सकते हैं। एफएमसीजी से लेकर सरकार तक ने अपनी नीतियों में सुधार कर मांग के निश्चित सुधार की बात की है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वाणिज्यिक गतिविधियों की बढ़ती मांग का अनुमान लगातार बढ़ रहा है। इस पूरे मौसम धारा के बारे में जानकरी के साथ, उपभोक्ता

**ग्रामीण-शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ेगी मांग**

और कंपनियों में आर्थिक उतार-चढ़ाव की उम्मीदें उचित हैं। खुशखबरी के साथ मांग की वृद्धि की उम्मोदें हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आगे कुछ अच्छे समय आने वाले हैं। पभोक्ता कंपनियों का कहना है कि देश में लगातार चौथे साल मॉनसून में पर्याप्त वर्षा का अनुमान लगाया गया है। इन कंपनियों ने कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में देश की 65 फीसदी आबादी रहती है। कंपनियों के अनुसार खरीफ फसलें अच्छी रहने से लोगों की आय बढ़ेगी जिसका फायदा उन्हें भी मिलेगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में सालाना 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर न लगाने की भी घोषणा की है। साथ ही देश में सामान्य से अधिक बारिश के अनुमान से उपभोग को और अधिक ताकत मिल सकती है। सामान्य से अधिक बारिश होने पर ग्रामीण क्षेत्र में मांग को दम मिलेगा। इन क्षेत्रों में पिछले कुछ महीनों से मांग में पहले से ही सुधार देखा जा रहा है। अब मॉनसून अच्छा रहने से मांग को और बढ़ावा मिलेगा। उपज बढ़ने से मुद्रास्फीति में और कमी आ सकती है। अन्य उपभोक्ता कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी यही राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि अच्छे मॉनसून के कारण ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों से मांग बढ़ेगी। एनआईक्यू के ताजा आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर से दिसंबर तिमाही (वित्त वर्ष 2025) में शहरी एवं ग्रामीण मांग में वृद्धि देखी गई है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिकी झींगा पर डंपिंग का विरोध किया

**नई दिल्ली।** भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिका के झींगा पर डंपिंग रोधी और प्रतिपूरक शुल्कों की समीक्षा के खिलाफ विरोध जताया है। अगले महीने समीक्षा की आशंका जताते हुए, निर्यातकों ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। इन शुल्कों की गणना करने का अमेरिका का फार्मूला गलत बताया गया है। कोलकाता स्थित समुद्री खाद्य निर्यातक एवं मेगा मोडा के प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह शुल्कों की गणना में अंतरिक्ष है और इससे भारतीय व्यापारिक मामलों पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का जीरोइंग पद्धति गलत है और भारत के साथ उचित व्यापारिक समझौते की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को संरक्षण देने की जरूरत है ताकि वह अमेरिका में इक्वाडोर और वियतनाम से आने वाली प्रतिस्पर्धा का सामना कर सके।

### रसायन, पेट्रोरसायन क्षेत्र पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहा है भारत

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय रसायन एवं पेट्रोरसायन सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने देश के रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन करने की सरकारी पहल की घोषणा की है। निवेदिता शुक्ला ने एक विचार-विमर्श सत्र में बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत के साथ संवाद स्थापित करने के लिए किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अतिरिक्त 26 प्रतिशत के जवाबी शुल्क लागू करने का फैसला लिया था, जिसे अब नौ अप्रैल को 90 दिन के लिए टाल दिया गया है। इसके बावजूद, 10 प्रतिशत का मूल शुल्क अब भी लागू है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है इसका अंतरराष्ट्रीय निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 5.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। निवेदिता शुक्ला ने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ विचार-विमर्श के बाद उपाय निर्धारित करेगी और उद्योग के स्थिति का समीक्षा करेगी। इस नए विकल्प का अनुसरण करते हुए, भारतीय रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग अपने व्यापारिक प्रवृत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

### यश बैंक को 244 करोड़ की इनकम टैक्स डिमांड का नोटिस

**मुंबई ।** यश बैंक को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 244.20 करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। यह डिमांड 2016-17 के लिए किए गए असेसमेंट और पुनर्मूल्यांकन के बाद आई है। बैंक ने कहा है कि वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेगा। बैंक को दिसंबर 2018 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 2016-17 के लिए एक टैक्स असेसमेंट ऑर्डर मिला था, जिसमें कुछ जोड़-घटाव किए गए थे। बैंक ने कहा वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेग इसके बाद मार्च 2022 में पुनः मूल्यांकन आदेश आया, जिसमें कुछ और बदलाव किए गए थे। बैंक ने दोनों आदेशों के खिलाफ अपील की है और अब पुनः मूल्यांकन के बाद एक नई टैक्स डिमांड आई है। बैंक ने बताया कि पुनः मूल्यांकन आदेश में गलती हुई थी, क्योंकि इसमें आयकर रिटर्न में बताई गई आय के बजाय असेस्ड आय का उपयोग किया गया था। इस गलती को सुधारने के लिए 15 अप्रैल 2025 को एक रेक्टिफिकेशन आर्डर पास किया गया। हालांकि, इस आदेश के बाद टैक्स की मांग में काफी वृद्धि हो गई, और बैंक ने इसे बिना किसी ठोस कारण के बताया है। बैंक ने कहा कि वह इस अतिरिक्त टैक्स डिमांड के खिलाफ तुरंत रेक्टिफिकेशन आवेदन दाखिल करेगा और अगर जरूरत पड़ी, तो अपीलीय न्यायाधिकरण में भी अपील करेगा।

# ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

**ग्लोबल मार्केट से :मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में :तेजी नजर आ रही है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी :मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल द्वारा टैरिफ की वजह से अमेरिका में महंगाई बढ़ने और ग्रोथ पर दबाव पढ़ने की आशंका जताए जाने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जॉन्स 700 अंक टूट गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 120.93 अंक यानी 2.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,275.700 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 516.01 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,307.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स :फिलहाल 279.94 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,947.33 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।**

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,275.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत उछल कर 21,311.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर सीएसी इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,329.97 अंक के स्तर पर बंद किया गया।

एशियाई बाजारों में :मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 125.50 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,343.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.31 प्रतिशत लुढ़क कर 19,407.18 के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत फिसल कर 1,135.64 अंक के स्तर पर पहुंचे गए हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 304.15 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 34,224.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.70 प्रतिशत उछल कर 2,464.78 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में :जोरदार तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 328.83 अंक यानी 1.54 प्रतिशत की उछाल के साथ 21,385.81 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,714.23 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,282.82 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.09 प्रतिशत फिसल कर 6,405.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

### वन97 कम्युनिकेशन के एमडी ने 1,800 करोड़ के शेयर स्वेच्छा से छोड़े

**नई दिल्ली।** वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने लगभग 1,800 करोड़ रुपये के 2.1 करोड़ शेयर स्वेच्छा से छोड़ दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। शेयरों को पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की सूचीबद्धता के समय ईएसओपी के हिस्से के रूप में शर्मा को दिया गया था। अब ये शेयर वन97 के कर्मचारियों की शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत ईएसओपी पूल में लौट आएंगे। कंपनी ने कहा कि कंपनी के सीएमडी और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने 16 अप्रैल, 2025 को दिनांकित पत्र में सूचित किया है कि उन्होंने स्वेच्छा से सभी 2,10,00,000 ईएसओपी को वन97 कम्युनिकेशन के कर्मचारी शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत लौटा दिए हैं।

# आरबीआई ने अहमदाबाद के कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुजरात के शहर अहमदाबाद स्थित कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने जारी किए गए बयान में यह निर्धारित किया कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। आरबीआई ने बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) की मौद्रिक सीमा बढ़ाकर जमाकर्ताओं की सुरक्षा में सुधार करने का प्रस्ताव भी किया है। अब जमाकर्ताओं को केवल 5 लाख रुपये तक की जमा राशि पर डीआईसीजीसी द्वारा बीमा की गारंटी प्राप्त होगी। कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक के सहकारी समितियों के पंजीयक के खिलाफ भी एक परिसमापक की मांग की गई है। आरबीआई ने बैंक के असमर्थन के कारण उसके लाइसेंस को रद्द किया है और बैंक को बंद करने के लिए परामर्श दिया है। इस घटना से उठने वाले विवाद के बीच आरबीआई ने सामान्य सार्वजनिक को सुनिश्चित किया है कि इस प्रकार की कार्रवाई का निर्णय केवल बैंक और उसके ग्राहकों के हितों के लिए हो गया है।

### विप्रो का मुनाफा 25.9 फीसदीः बढ़कर 3,569.6 करोड़ पहुंचा, कंपनी ने विडेंड का भी किया ऐलान

**मुंबई।** देश की प्रमुख आईटी कंपनियों में शामिल विप्रो ने मार्च 2025 में खत्म हुई चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी का मुनाफा 25.9 फीसदी बढ़कर 3,569.6 करोड़ हो गया है, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 2,834.6 करोड़ था। इस तिमाही में विप्रो की कुल कमाई यानी ऑपरेशंस से आया रेवेन्यू 1.3 फीसदी बढ़कर 22,504.2 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल 22,208.3 करोड़ था। कंपनी के कुल खर्चों में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, यह 18,978.6 करोड़ रुपए रहा। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में विप्रो का मुनाफा 13,135.4 करोड़ रुपए रहा, जो वित्त वर्ष 24 में 11,045.2 करोड़ रुपए था। हालांकि, कंपनी की सालाना कमाई थोड़ी घटी, वित्त वर्ष 24 में 89,760.3 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त् वर्ष 25 में 89,088.4 करोड़ रही।

### जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक मेनन ने पद छोड़ा

कोष के दुरुपयोग और संचालन में चूक होने की वजह से बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में आई 2 संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से उसके स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने की जानकारी दी है। कंपनी के प्रवर्तकों में से एक अनमोल सिंह जग्गी को भेजे इस्तीफे में मेनन ने लिखा कि अन्य व्यवसायों के पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करने के लिए जीईएल के बहीखाते तथा जीईएल द्वारा इतनी ऊंची ऋण लागत पर स्थिरता बनाए रखने को लेकर चिंता बढ़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के धन की हेराफेरी और कामकाज संबंधी खामियों के कारण जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रवर्तकों अनमोल सिंह जग्गी तथा पुनीत सिंह जग्गी को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित करने की पृष्ठभूमि में मेनन ने इस्तीफा दिया है।

# फिच रेटिंग्स ने भारत के वृद्धि अनुमान को घटाया

**व्यापक स्तर पर नीति अनिश्चितता, व्यापार निवेश की संभावनाओं को पहुंचा रही हैं नुकसान**

नई दिल्ली

**रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी फिच ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य (जीईओ) के अपने विशेष तिमाही अपडेट में कहा कि अमेरिकी व्यापार नीति के बारे में पूरे विश्वास के साथ कुछ भी कहना मुश्किल है। व्यापक स्तर पर नीति अनिश्चितता, व्यापार निवेश की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रही हैं।**

शेयर की कीमतों में गिरावट से घरेलू संपत्ति कम हो रही है और अमेरिकी निर्यातकों को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। फिच ने मार्च के अपने जीईओ में 2025 के विश्व वृद्धि अनुमानों में 0.4 प्रतिशत की कटौती की। चीन और अमेरिका के वृद्धि अनुमान को 0.5 प्रतिशत घटाया।

रेटिंग एजेंसी ने भारत के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को घटाकर क्रमश: 6.2 प्रतिशत और 6.4 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत पर बरकरार रखी है।

फिच के अनुमानों के अनुसार अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर 2025 तक 1.2 प्रतिशत पर सकारात्मक रहने की उम्मीद है। चीन की वृद्धि दर इस वर्ष और अगले वर्ष चार प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है, जबकि यूरोक्षेत्र में वृद्धि एक प्रतिशत से काफी नीचे बनी रहेगी।

# पतंजलि ने खरीद ली मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में हिस्सेदारी

**भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने खरीदी प्रस्ताव को दी मंजूरी**

नई दिल्ली

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने पतंजलि आयुर्वेद को और 5 अन्य इकाइयों को मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में हिस्सेदारी हासिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस निर्णय से पतंजलि के व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी। प्रस्तावित मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में अधिग्रहण के लिए सीसीआई ने ग्रीन चैनल रूट का उल्लंघन नहीं होने का आश्वासन दिया है। इसके तहत, यह लेन-देन प्रतिस्पर्धा पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं डालेगा। पतंजलि आयुर्वेद के साथ इस सौदे में शामिल होने वाली इकाइयां एसआर, रीति, आरआर, सुरुचि और स्वाति फाउंडेशन हैं। बाबा रामदेव की कंपनी को मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में 98.055 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल होगी। इस

निर्णय के बाद, बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद लि. मैग्मा जनरल इंश्योरेंस की प्रवर्तक इकाई बनेगी। यह स्थापित भारतीय कंपनियों के बीच एक नया साझेदारी का प्रस्ताव है, जिससे कारोबार में नयी ऊर्जा आने की संभावना है। अदार पूनावाला की सनोती प्रॉपर्टीज भी इस सौदे में शामिल हैं, जिससे उनकी हिस्सेदारी पतंजलि आयुर्वेद और कुछ अन्य कंपनियों को बेच दी गई है।

### जापान को वित्त वर्ष 2024-25 में 5200 अरब येन का व्यापार घाटा

तोक्यो (ईएमएस)। जापान ने वित्त वर्ष 2024-25 में 5200 अरब येन (37 अरब अमेरिकी डॉलर) का व्यापार घाटा दर्ज किया। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च तक के वित्त वर्ष में जापान का वैश्विक व्यापार घाटा कुल 5200 अरब येन (37 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा। लगातार चौथा वर्ष घाटे दर्ज किया गया। हालांकि, अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष (आयात व निर्यात के बीच का अंतर) बढ़कर 9000 अरब येन (63 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया। जापान का अमेरिका एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक सहयोगी और अमेरिका में प्रमुख निवेशक है, जो सैकड़ों हजारों अमेरिकियों को रोजगार देता है। हालांकि, अमेरिका को निर्यात को लेकर शुल्क बढ़ोतरी का मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिका ने जापान पर 24 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की दो अप्रैल को घोषणा की थी। बाद में इस फैसले को नौ अप्रैल को 90 दिन के लिए टाल दिया गया।